**मरमयलग** (7-7) [ म्रम्यल्गा ज्योत्स्ना छैः (सप्तभिर्यतिः) H. 2. 227 ] ज्योत्स्ना.

**मररसलग** (7-7) [ मो रौ सो ल्गौ जया H. 2. 226 ] जया.

**मसतनगग** [ लक्ष्मीरन्तविरामा म्सौ तनगुरुयुग्मम् P. 7. 5. 10 ] लक्ष्मी.

**मसतभगग** [ लक्ष्मीरन्तविरामा म्सौ तभौ गुरुयुग्मम् Vr. 3. 77. 9 ] लक्ष्मी.

**मसमभगग** (7-7) [ द्विसप्ताच्छिदलोला म्सौ म्भौ गौ चरणे चेत् P. 7. 5. 8 ] अलोला, लोला.

**रनभभगग** [ शोभते वनलता रनभा भगुरू गः Jk. 2. 180 ] लता, वनलता, वलना.

**सजनरलग** (5-9) [ सजनर्लगाः शरविरतिः सुदर्शना Jk. 2. 174 ] सुदर्शना.

**सजसयलग** (5-9) [ सजसा यलौ गिति शरप्रहैर्मञ्जरी P. 7. 5. 12 ] मञ्जरी, वसुधा, पथ्या, प्रथिता.

**सजसयलग** (10-4) [ पथ्या सजसयल्गैः स्यात् ककुब्भिः श्रुतिभिर्यतिः Mm. 18. 3. ] पथ्या.

**सभनयगग** (4-10) युगदिग्भिः कुटिलमिति मतं स्भौ न्यौ गौ Vr. 3. 77. 12 ] कुटिल.

**सभसजगग** (4-10) [ सभसा ज्गौ गिति गतिविश्रमा सुनन्दा Jk. 2. 181 ] सुनन्दा.

## 15 अतिशक्वरी (34)

**जसनभय** [ मयूरललितं भवति जात्सनभयाश्चेत् Jk. 2. 194 ] मयूरललित.

**तजससय** [ त्जसस्याः शिशुः H. 2. 259 ] शिशु.

**तभजजर** [ छन्दो भवेत्तभजजै रयुतैर्मृदङ्गकम् Vr. 3. 84. 1 ] मृदङ्ग.

**नजजभर** [नजजभरैररविन्दकं कलभाषिणी Jk. 2. 192] अरविन्दक, कलभाषिणी.

**नजभजर** [ भवति नजौ भजौ रसहितौ प्रभद्रकम् P. 7. 11. 8 ] प्रभद्रक, सुकेसर, सुखेलक.

**ननतभर** (8-7) [ ननतभरकृताष्टस्वरैरुपमालिनी P. 7. 11. 9 ] उपमालिनी.

**ननननस** (7-8) [ चन्द्रावर्ता नौ नौ स् (सप्तभिर्यतिः) P. 7. 11 ] चन्द्रवर्त्म, चन्द्रावर्ता, शशिकला.

**ननननस** (6-9) [ नौ नौ स् मार्लुनवकौ चेत् P. 7. 12 ] माला, शरभ, स्रक्.

**ननननस** (8-7) [ वसुमुनियतिरिति मणिगुणनिकरः Chm. 2. 133 ] मणिगुणनिकर.

**ननननस** (4-1-4-6) [ इयमपि गतिगतियतिरिह रुचिरा Jk. 2. 187 ] रुचिरा.

**ननभभर** [ नाद्नभभ्रा गौः H. 2. 257 ] गौ.

**ननमयय** (8-7) [ लसति वसुविरामा मालिनी नौ मयौ यः Jk. 2. 183 ] मालिनी, नान्दीमुखी.

**ननमरर** (8-7) [ नौ मो रौ चन्द्रोद्योतः H. 2. 247 ] चन्द्रोद्योत.

**ननरयय** [ नौ रो यौ भोगिनी H. 2. 258 ] भोगिनी.

**नसनरर** [ विपिनतिलकं नसनरेफयुग्मैर्भवेत् Chm. 2. 136 ] विपिनतिलक.

**भजसनर** [ शंस निशिपालकमिदं भजसनाश्च रः Chm. 2. 147 ] निशिपालक.

**भभमसस** [ भभमाः ससौ संगतकम् Vjs. 4. 64 ] संगतक.

**भमसभस** [ भमसा भसौ भूतलतन्वी Bh. 37. 170 ] भूतलतन्वी.

**भयससय** [ भ्यसस्याः केतनम् H. 2. 260 ] केतन.

**मममम** (4-4-4-3) [ मा बाणाः स्युर्यस्यां सा कामक्रीडासंज्ञा ज्ञेया Vr. 3. 84. 4 ] कामक्रीडा, ज्योतिस्, मित्र, लीलाखेल, सारङ्गी.

**मममयय** (8-7) [ चित्रानामच्छन्दश्चित्रं चेत् त्रयो मा यकारौ P. 7 11. 2 ] चञ्चला, चित्रा, मण्डूकी.

**मरमयय** (7-8) [ म्रौ म्यौ यान्तौ भवेतां सप्ताष्टभिश्चन्द्रलेखा P. 7. 11. 3 ] चन्द्रलेखा, चन्द्रसेना.

**रजरजर** (7-8) [ राजरौ जरौ यदा महोत्सवो गतागतम् Jk. 2. 190 ] उत्सव, उत्साह, तूणक, महोत्सव.

**रनभभर** (5-10) [ सुन्दरं त्विह रनौ भभरा मणिभूषणम् Jk. 2. 191 ] सुन्दर, मणिभूषण.

**रनभभर** (3-12) [ खं पुरे रनभभा रयुता रमणीयकम् Jk. 2. 196 ] रमणीयक, उत्तर.

**ररजजर** (7-8) [ चामरं रो रजजरा वा द्वीपवसुभिर्यतिः Mm. 18. 10 ] चामर, तूणक.

**ररततम** (8-7) [ चन्द्रलेखाऽष्टदृकूछेदा ररौ तौ मयुक्तौ चेत् Jk. 2. 195 ] चन्द्रलेखा.

**ररतयय** (7-8) [ ररता ययौ चन्द्रकान्ता Ckau. 2. 120 ] चन्द्रकान्ता.

**ररमयय** (7-8) चन्द्रकान्ताभिधा रौ म्यौ यो विरामः स्वराष्टौ Vr. 3. 84. 6 ] चन्द्रकान्ता, चन्द्रलेखा

**ररमसय** (7-8) [ चन्द्रकान्ता मता रौ मः स्यौ विरतिः स्वराष्टौ P. 7. 11. 4 ] चन्द्रकान्ता.

**रररर** [ चन्द्रलेखाभिधानं भवेत् पञ्चभी रैः स्फुटम् Vr. 3. 84. 7 ] चन्द्रलेखा.

**सजननय** (5-10) [ सजना नयौ शरदशयतिरियमेला P. 7. 11. 6 ] अतिरेखा, एला, रेखा.

**सजजभर** [ कथयन्ति मानसहंसनाम सजौ ज्भराः Chm. 2. 145 ] मानसहंस, मनोहंस.

**सजससय** [ ऋषभाख्यमेतदुदितं सजसाः सयौ चेत् P. 7. 11. 5 ] ऋषभ, वृषभ.

**ससससस** [ सगणैः शिववक्त्रमितैर्गदिता नलिनी P. 7. 11. 12 ] नलिनी, भ्रमरावलि, श्री.